>

Title: Need to take action to make River Narmada pollution free.

श्री राकेश सिंह (जबलपुर): देश की नदियों में प्रदूषण दिनोदिन बढ़ता जा रहा है। मध्य प्रदेश से प्रारंभ होकर गुजरात तक जाने वाली इस क्षेत्र की जीवन रेखा मानी जाने वाली सर्वाधिक पवित्र मानी जाने वाली नदी में नर्मदा है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार गंगा नदी में स्नान करने से जिस पुण्य की प्राप्ति होती है वह मात्र नर्मदा जी के दर्शन से प्राप्त होता है। देश में एकमात्र नदी माँ नर्मदा है जिनकी परिक्रमा की जाती है। किन्तु ऐसी पवित्र नदी भी आज प्रदूषण से अछूती नहीं है। एक सर्वे के अनुसार इस जल में बायो केमिकल ऑक्सीजन डिमांड की मात्रा मानक स्तर से बहुत अधिक है। जल की शुद्धता के लिए बी.ओ.डी. का मानक स्तर 3 मी.ग्रा. है। नर्मदा नदी के प्रदूषित होने के कारण इसमें 11.4 मी.ग्रा. प्रति लीटर का स्तर पाया गया है। यह एक बड़े खतरे का संकेत है। आज गंगा जी के शुद्धिकरण पर सैकड़ों करोड़ रूपये खर्च करने के बाद भी अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहे हैं। यदि समय रहते केन्द्र सरकार ने कड़े व सार्थक उपाय नहीं किए तो प्रदूषण के कारण माँ नर्मदा नदी की पवित्रता भी खतरे में पड़ सकती है। यह खतरा सिर्फ एक नदी के लिए नहीं है बल्कि हमारी संस्कृति व आस्था के लिए भी एक बड़ा संकट होगा। अतः मेरा आग्रह है कि तत्काल केन्द्र सरकार इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही करे।